दूरभाष : (01489)-230515

श्री शिवचरण माथुर राजकीय महाविद्यालय,माण्डलगढ़
(जिला-भीलवाड़ा)

क्रमांक: 619 दिनांक: 19/01/2021

श्रीमान आयुक्त महोदय,
कॉलेज शिक्षा, राजस्थान
जयपुर।

विषय : ज्ञान गंगा कार्यक्रम के तहत आयोजित 6 दिवसीय कार्यशाला का प्रशिक्षण-प्रतिवेदन भिजवाने बाबत्।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि आयुक्तालय के आदेश क्रमांक CCE/ISDC/FDP/Gyan Ganga/2020-21/164 दिनांक 05 जनवरी 2021 की अनुपालना में सुश्री सुमित्रा देवी साहू, सहायक आचार्य- अर्थशास्त्र द्वारा दिनांक 11/1/2021 से 16-01-2021 तक आयोजित कार्यशाला में भाग लिया गया। आपके निर्देशानुसार इनसे प्राप्त प्रशिक्षण प्रतिवेदन मूल ही प्रेषित किया जा रहा है।

सादर।

प्राचार्य
श्री शिव चरण माथुर
राजकीय महाविद्यालय
माण्डलगढ़-274

अर्थशास्त्र विषय के अध्ययन - अध्यापन में गुणवत्तापरक नवाचार पहल
" ज्ञान गंगा कार्यक्रम "
के अन्तर्गत 6 दिवसीय प्रशिक्षण प्रतिवेदन

आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर एवं सेठ मथुरादास बिनानी राजकीय महाविद्यालय नाथद्वारा, राजसमंद के संयुक्त तत्वाधान में ज्ञान गंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत 'Initiatives for Teaching - Learning Excellence in Economics' विषय पर 6 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों के ज्ञान को अद्यतन करने एवं शोध संबंधी ज्ञान को साझा करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न संस्थानों से सम्बद्ध सुप्रसिद्ध विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिये गए। जिसका विवरण इस प्रकार है -

(1.1) कार्यशाला के प्रथम दिन (दिनांक 11/01/2021) सर्वप्रथम प्रो. गणेश कावड़िया सर द्वारा " आत्मनिर्भर भारत : अवसर और चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया गया, जिसमें उनके द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत" का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अर्थ समझाया गया, साथ ही वर्तमान मन्दी का कारण मांग में कमी को बताते हुए इसे दूर करने हेतु एक 'बिग पुश' अर्थात सरकार द्वारा व्यय बढ़ाये जाने व करों में कमी करने हेतु सुझाव दिया गया।

(1.2) दिनांक 11/01/2021 को ही द्वितीय सत्र में श्री प्रदीप बापना' द्वारा 'Digitalisation of Banking System : Benefits & challenges' विषय पर व्याख्यान दिया गया

(2.1) कार्यशाला के दूसरे दिन (12-01-2021) 'शोध में सांख्यिकीय विधियों के प्रयोग' विषय पर 'प्रो. कुमुद देव' द्वारा व्याख्यान दिया गया, जिसमें विभिन्न सांख्यिकी विधियों का प्रयोग शोध में कब, क्यों और किस प्रकार किया जाना चाहिए, इस पर विस्तृत जानकारी दी गई।

द्वितीय दिवस के द्वितीय सत्र में प्रो. करुणेश सक्सेना द्वारा शोध में "Measurement and Scaling" विषय पर अपने विचार व्यक्त किये गये।

2.3 तृतीय सत्र में डॉ. एस. एस भोनावत द्वारा Termonology used in test of significant and Hypothesis testing विषय पर व्याख्यान दिया गया। इस प्रकार द्वितीय दिवस के तीनों सत्र शोध आधारित ज्ञान को साझा करने से संबंधित रहे।

3.1 कार्यशाला के तीसरे दिन प्रथम सत्र में 'Learning continuity and Business Research' विषय पर डॉ. डी. मुखर्जी द्वारा जानकारी साझा की गई।

3.2. तीसरे दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ. सुमन पामेचा द्वारा "भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड के प्रभाव" विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र पर कोरोना महामारी के प्रभाव व चुनौतियां के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही पर्यटन एवं MSME sector के भारत की आर्थिक वृद्धि दर में योगदान के बारे में भी डॉ. सुमन द्वारा विस्तृत ज्ञान प्राप्त हुआ।

3.3. तृतीय सत्र मे डॉ. सुनीता पाण्डे द्वारा "Recent changes in monetary Policy" विषय पर व्याख्यान दिया गया जिसमें, मौद्रिक नीति के बारे मे जानकारी देते हुए डॉ. सुनीता मेडम ने वर्तमान में मौद्रिक नीति में किये गये आवश्यक परिवर्तनों की जानकारी साझा की।

4.1 कार्यशाला के चतुर्थ दिन भी तीन सत्र आयोजित किये गये। प्रथम सत्र Hybrid and Blended Learning' से संबंधित था, जिसमें प्रो. के.र. गोयल द्वारा उच्च शिक्षा

online education के संबंध में जानकारी देते हुए विभिन्न चुनौतियों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही भविष्य में Blended Learing की संभावना एवं उपयोगिता के बारे में भी प्रो. गोयल द्वारा विचार व्यक्त किये गये।

4.2. द्वितीय सत्र बहुत ही ज्ञानवर्धक रहा, जिसमें डॉ. नेहा पालीवाल ने विभिन्न आंकडो एवं ग्राफ की सहायता से कोविड 19 के सम्पूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव की विस्तृत जानकारी प्रदान की। साथ ही वैश्विक बाजार में भारत के आयात - निर्यात की वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए डॉ. पालीवाल ने चीन पर भारत की अत्यधिक निर्भरता को आंकडो की सहायता से विश्लेषण प्रस्तुत किया।

4.3. तृतीय सत्र शोध से संबंधित रहा जिसमें डॉ. N.K. पटेल द्वारा "How to Prepare Synopsis" विषय पर जानकारी दी गई। इसमें डॉ पटेल द्वारा "Socio - economic Impact of covid 19 on Education and online training" शोध विषय को उदाहरण स्वरूप लेते हुए Synopsis बनाने / तैयार करने हेतु 10 steps को विस्तृत रूप से समझाया गया।

5.1 दिनांक 15/01/2021 को कार्यशाला के पांचवे दिन प्रथम एवं द्वितीय सत्र धारणीय विकास से संबंधित रहे। जिसमें से, प्रथम सत्र में श्री वी. शर्मा द्वारा धारणीय विकास की अवधारणा पर एवं डॉ अंजु कोहली द्वारा द्वितीय सत्र में 'कृषि की धारणीयता एवं भारतीय अर्थव्यवस्था' विषय पर जानकारी देते हुए कृषि क्षेत्र के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सुझाव दिया। तृतीय सत्र में डॉ सीमा वार्ष्णेय ने कोविड 19 के असंगठित क्षेत्र, MSME, पर्यटन क्षेत्र पर प्रभाव की

...ला के अन्तिम दिन प्रो. सी. एस. बरला द्वारा भारतीय कृषि अवस्था पर विस्तृत चर्चा की गई, और कृषि पर अत्यधिक निर्भरता के बावजूद कृषि के अल्पविकास के कारणों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. बरला द्वारा कृषि के भावी विकास की कार्ययोजना पर विस्तृत जानकारी दी गई।

निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है यह 6 दिवसीय कार्यशाला सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यन्त ज्ञानवर्द्धक रही। अर्थशास्त्र विषय में ऐसे कार्यक्रम की उपयोगिता और बढ़ जाती है, जो एक dynamic (गत्यात्मक) प्रकृति का विषय है। इसमें प्रति दिन ज्ञान को अद्यतन करने की आवश्यकता है। ऐसे में इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन प्रति वर्ष कम से कम एक बार अवश्य करवाया जाये, जिससे सभी लाभान्वित हो सकें। इसकी अवधि थोड़ी और बढ़ा दी जाये, ताकि प्रत्येक विषय पर विस्तृत चर्चा संभव हो सके। साथ ही प्रतिभागियों से ~~और~~ interaction किया जा सके, जिससे सभी प्रतिभागी सक्रिय रूप से भाग ले सकें।

बदलते परिप्रेक्ष्य में, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने हेतु इस प्रकार की कार्यशालाओं का आयोजन बहुत सहायक साबित होगा।

[signature]
आचार्य
श्री शिव चरण माथुर
राजकीय महाविद्यालय
माण्डलगढ़–274

[signature]
सुमित्रा देवी साहू
सहायक आचार्य – अर्थशास्त्र
राजकीय महाविद्यालय, माण्डलगढ़

उक्त प्रतिवेदन मूल ही प्रेषित है।